#Sadhu 1

1

00:00:00,013 - 00:00:09,013

Silence

2

00:00:09,713 - 00:00:11,540

interview: बाबा नमस्ते, हर हर महादेव

3

00:00:11,565 - 00:00:12,700

baba: हर हर महादेव

4

00:00:14,760 - 00:00:19,393

interview: बाबा छोटा सा एक अपना परिचय देदेंगे, क्या नाम है, कहाँ से belong करते हैं, क्या काम करते हैं?

5

00:00:19,418 - 00:00:21,660

baba: जी हमारा नाम प्रदीप पुरी है

6

00:00:22,770 - 00:00:25,357

हम 14 वर्ष से नागा साधु हैं

7

00:00:26,689 - 00:00:31,442

और हमारा जन्म हरयाणा, रोहतक district में हुआ है

8

00:00:32,702 - 00:00:33,976

interview: एक सेकंड रुको

9

00:00:35,457 - 00:00:50,220

phone rang and the interviewer speaks about some issue with something

10

00:00:51,614 - 00:00:54,902

कैसे बनते हैं साधु ? आप थोडा अपना experience

11

00:00:54,927 - 00:01:01,319

baba: साधू बनना कोई मतलब कि जैसे कहते हैं कोई

12

00:01:03,299 - 00:01:06,826

interview: अरे आंटी, आराम से, आराम से प्लीज दो मिनट शान्ति

13

00:01:10,256 - 00:01:10,703

जी

14

00:01:12,109 - 00:01:15,676

baba: तो जैसे कि साधु बनना कोई इतना कष्ट कार्य नहीं है

15

00:01:16,848 - 00:01:20,202

साधु एक साधना है

16

00:01:21,075 - 00:01:23,815

जैसे कि भगवान् का ध्यान करना

17

00:01:25,009 - 00:01:26,162

उनका भजन करना

18

00:01:27,082 - 00:01:32,540

नियम कर्म से पूजा पाठ करते हैं साधू

19

00:01:34,162 - 00:01:39,541

और जैसे कि हमें 14 वर्ष हो गए साधु बने हुए

20

00:01:39,855 - 00:01:41,022

नागा साधु हैं

21

00:01:41,432 - 00:01:43,152

जूनाखाड़ा से हैं

22

00:01:43,572 - 00:01:45,099

प्रदीप पुरी हमारा नाम है

23

00:01:45,565 - 00:01:48,159

हमारे गुरूजी का नाम है, रमन पुरी जी महाराज

24

00:01:48,889 - 00:01:51,436

हरिद्वार से belong करते हैं हम

25

00:01:52,176 - 00:01:54,229

हमारी जन्म भूमि हरयाणा, रोहतक है

26

00:01:55,612 - 00:01:57,418

अभी हम परिक्रमा पर हैं

27

00:02:02,624 - 00:02:05,531

interview: आप अपने शुरूआती दिनों में ले जाइए, क्या करते थे

28

00:02:05,899 - 00:02:09,819

baba: हम आपको आज से 14 वर्ष पहले बता देते हैं

29

00:02:10,559 - 00:02:12,826

हम readymade का काम करते थे

30

00:02:13,863 - 00:02:15,237

मतलब की प्राइवेट जॉब

31

00:02:16,910 - 00:02:18,870

माता जी हैं हमारी, पिताजी हैं

32

00:02:19,590 - 00:02:21,357

और हम चार भाई हैं

33

00:02:22,759 - 00:02:27,192

हम दुसरे नंबर पर आते हैं, हमसे बड़ा एक भाई है और हमसे दो छोटे भाई हैं हमारे

34

00:02:28,159 - 00:02:29,745

वो भी अपने कार्य में busy हैं

35

00:02:31,672 - 00:02:34,465

interview: सबके बारे में बताइए, कौन क्या-क्या करता है ? पिताजी क्या करते हैं ?

36

00:02:34,490 - 00:02:37,039

जैसे पिताजी हमारे गुडगाँव हैं

37

00:02:37,806 - 00:02:42,106

मारुती एजेंसी कंपनी है, बहुत पुरानी कंपनी है हमारे देश की

38

00:02:42,717 - 00:02:46,570

तो वहां पापाजी का छोटा सा कारोबार है

39

00:02:47,958 - 00:02:51,038

जैसे मिठाई की शॉप है

40

00:02:52,285 - 00:02:58,158

और साथ में जो छोटा भाई है हमारा, साथ में पापाजी की हेल्प के लिए वो काम करवा देते हैं

41

00:02:59,910 - 00:03:03,843

और एक भाई और है छोटा हम से, वो भी गुडगाँव में ही है

42

00:03:03,868 - 00:03:07,825

जैसे कि बुक शॉप है, उसपे काम करते हैं

43

00:03:10,436 - 00:03:18,082

ये है, गृहस्थी जीवन भी अच्छा है और बिना गृहस्थी जीवन भी अच्छा है

44

00:03:18,593 - 00:03:25,266

वो इंसान के ऊपर निर्भर करता है कि वह कौन सा जीवन चुनता है और कौन सा नहीं चुनता है

45

00:03:25,314 - 00:03:26,274

interview: आपने ये क्यूँ चुना ?

46

00:03:27,094 - 00:03:31,501

baba: हमने ये चुना क्योंकि हमें बचपन से ही शौंक है भगवान् के भजन सुनने का

47

00:03:32,103 - 00:03:41,687

आरती में बैठने का, सुबह टाइम से उठने का, ध्यान भजन करने का, भगवान् के सामने सुबह उठकर प्रणाम करने का, दीप जलाने का

48

00:03:42,044 - 00:03:48,711

ये एक साधु का कार्य होता है, मतलब आप ये मत समझिए कि सिर्फ साधु ही ये कार्य कर सकता है, एक आम इंसान भी ये कार्य कर सकता है

49

00:03:49,566 - 00:03:56,806

इससे क्या है, हमारा जो धर्म है, हमारी जो परंपरा है, हमेशा-हमेशा बनी रहे

50

00:03:57,419 - 00:04:02,913

और हम ऐसे ही भगवान को साक्षात् बुलाते रहें, और हमारे कार्य ऐसे ही सफल होते रहें

51

00:04:04,256 - 00:04:13,545

ये प्रार्थना करते हैं भगवान् से कि सबका भला कीजिए, और कहते हैं भगवान्, कर भला तो हो भला, उनकी महिमा है अपरम्पार

52

00:04:15,373 - 00:04:20,970

अब जैसे कि हम यहाँ काशी आए हैं तो हमें बहुत ही आनंद प्राप्त हो रहा है यहाँ पर

53

00:04:22,032 - 00:04:29,279

हम अपने जीवन में खुशहाल हैं और अभी हमें यहाँ पर कम से कम दो हफ्ते हो गए हैं

54

00:04:29,876 - 00:04:32,876

अभी हमें तीन चार दिन से बॉडी में problem आ रही थी

55

00:04:33,783 - 00:04:36,756

हमें फीवर आ गया था तो हमने टेबलेट ली, इंजेक्शन लगवाया

56

00:04:37,677 - 00:04:43,709

और अभी फीवर से थोडा सा बाहर निकले हैं , अभी थोडा सा better फील कर रहे हैं

57

00:04:44,019 - 00:04:50,272

interview: 22 साल की उम्र में जब आपने साधु बनने का सोचा तो फिर घरवालो का क्या बर्ताव था ?

58

00:04:50,315 - 00:04:55,997

baba:घरवालों का क्या , जैसे कि आपको बताते हैं हमारे परिवार में एक परंपरा है

59

00:04:56,718 - 00:05:04,574

हम जोगी परंपरा निभाते हैं, मतलब की जोगीनाथ हैं हम, कर्म से भी और धर्म से भी

60

00:05:06,041 - 00:05:07,788

तो हमारे जो चाचाजी थे

61

00:05:08,798 - 00:05:11,965

हम उनको पिताजी का दर्जा देते हैं, बचपन से ही

62

00:05:13,174 - 00:05:16,881

तो उनका मोह हम में ज्यादा था

63

00:05:17,961 - 00:05:20,961

और हम भी उनसे ज्यादा प्रेम करते थे बचपन से ही

64

00:05:21,404 - 00:05:24,651

वो सुबह उठकर हमें जल्दी स्नान करवाते थे

65

00:05:25,458 - 00:05:27,964

अच्छे साफ़ सुन्दर कपडे डलवाते थे

66

00:05:28,578 - 00:05:32,505

कहते थे चलो मंदिर चलते हैं, भगवान् के आगे दीप जलाते हैं

67

00:05:34,508 - 00:05:40,160

तो हम उनके साथ सुबह उठकर 6:30 am, 5:50 am, 6:00 am

68

00:05:40,234 - 00:05:44,674

नित्य रूप से नाहा धोकर, पाठ पूजा के लिए मंदिर जाते थे

69

00:05:45,007 - 00:05:51,767

तो वहां पर आरती भजन सुनते थे, तो मन में एक अलग ही सुकून प्राप्त करते थे हम

70

00:05:52,685 - 00:06:00,601

मतलब की एक हमारी अलग ही दुनिया है, और बाकी सब हमसे अलग हैं, हम उन जैसे नहीं हैं

71

00:06:02,618 - 00:06:08,891

जैसे कि हम आरती में बैठते हैं, तो हमारी एक ध्यान धारणा लग जाती है, हम ध्यान लगा लेते हैं भगवान् का

72

00:06:10,765 - 00:06:19,518

उसमें इतना आनंद है, मतलब कि आप जिस भी कार्य को करोगे उसमें आपको आनंद ही प्राप्त होगा

73

00:06:20,302 - 00:06:26,068

जो सुबह भगवान् का ध्यान, धर्म, पाठ पूजा करते हैं, उससे पूरा दिन आनंदमय जाता है

74

00:06:31,562 - 00:06:39,969

interview: तो शुरू से बताएं कि साधु बनने की प्रक्रिया क्या होती है? पहला स्टेप, दूसरा स्टेप, हमने सुना है कि साधु बनने के लिए अपना ही पिंड दान करना पड़ता है ?

75

00:06:40,145 - 00:06:41,512

baba: जी संस्कार किया जाता है

76

00:06:41,539 - 00:06:45,459

interview: शुरू से बताइए कि जैसे पहली बार आपने निर्णय लिया तो पहला स्टेप क्या होता है

77

00:06:45,806 - 00:06:50,179

baba: जी आज से चौदह वर्ष पहले हम हरिद्वार थे

78

00:06:51,548 - 00:06:56,875

तो हमारे चाचा जी ने चोला छोड़ दिया था

79

00:06:58,779 - 00:07:04,859

तो उनके बाद हमने घरवालों से बात की, कि हम साधु बनना चाहते हैं

80

00:07:06,213 - 00:07:10,266

तो देखिए, इतना आसान भी नहीं है साधू बनना भी

81

00:07:11,120 - 00:07:15,546

माता पिता, भाई बहन, चाचा ताऊ, मामा मामी

82

00:07:16,136 - 00:07:23,170

पता नहीं कितने ऐसे रिश्तेदार हैं जो हमें जानेंगे या नहीं जानेंगे, पता नहीं वो समय आएगा या नहीं आएगा

83

00:07:23,431 - 00:07:27,518

तो हमने उन चीज़ों से बिलकुल ही मोह ख़त्म कर दिया

84

00:07:28,411 - 00:07:35,811

धन, दौलत, प्रॉपर्टी सब चीज़ों से, जैसे कहते हैं मोह-माया सब त्याग दिया हमने

85

00:07:36,686 - 00:07:41,725

तो आपको बता रहे हैं, चौदह वर्ष पहले हमारा संस्कार हुआ था हरिद्वार, हर की पौड़ी

86

00:07:43,347 - 00:07:51,314

तो सबसे पहले साधू जब बनता है, तो उसका संस्कार किया जाता है

87

00:07:52,173 - 00:08:01,576

संस्कार जैसे कि आदमी का मरण लगा लीजिए या फिर वो जीवन लगा लीजिए

88

00:08:01,601 - 00:08:09,359

मतलब की वो साधु का दूसरा जन्म होता है, अपने वो पहले वाले जीवन से मुक्त हो जाता है

89

00:08:10,456 - 00:08:15,369

एक भगवान् का संकल्प लिया जाता है, संकल्प करवाया जाता है

90

00:08:16,049 - 00:08:21,529

तो संकल्प में ही हर चीज़ से, मतलब मोह-माया से त्याग किया जाता है

91

00:08:22,519 - 00:08:30,439

मतलब आप एक नियम के रूम में लगा लो कि जन्म-जन्म के लिए भगवान् के हो जाते हैं

92

00:08:32,569 - 00:08:33,316

वो साधु है

93

00:08:34,860 - 00:08:44,829

तो 108 पंडित या जो हमारे बड़े संत-साधु हैं जिनकी वह से ये परम्पराएं चल रही हैं और चलती रहेंगी

94

00:08:45,669 - 00:08:47,856

तो उन साधुओं को भोजन करवाया जाता है

95

00:08:49,078 - 00:08:49,991

निश्चत रूप से

96

00:08:50,791 - 00:08:55,638

और उनको भरपूर दक्षिणा से विराजा जाता है

97

00:08:57,439 - 00:09:04,693

तो उसके बाद ही साधू का चोला प्राप्त होता है

98

00:09:04,789 - 00:09:08,996

interview: कैसा लगता है कि अपने ही पिंड दान में जाना ? अपना ही अंतिम संस्कार देखना ?

99

00:09:09,021 - 00:09:17,791

baba: देखिये ये सिर्फ एक भावना है, जो हम सोचते हैं, जो हम समझते हैं

100

00:09:18,478 - 00:09:27,798

लेकिन साधू की जो भावनाएं हैं वो अलग हैं, वो अपने मन को इतना कठोर कर लेता है

101

00:09:28,172 - 00:09:34,073

जैसे कि एक जगह पड़ा हुआ पत्थर है उसका वजन ज्यादा है

102

00:09:34,126 - 00:09:39,153

मतलब की एक साइड में पड़ा हुआ पत्थर भारी होता है

103

00:09:39,178 - 00:09:49,694

वैसे ही एक साधू का मन होता है, मतलब की उसे इतना कठोर, इतना powerful कर लेते हैं उसको

104

00:09:50,357 - 00:09:54,817

कि वो साधू किसी भी चीज़ को देखकर आकर्षित या भावुक नहीं होते

105

00:09:55,227 - 00:10:03,174

वो सिर्फ प्रेम और भाव से ही आकर्षित होते है, भगत से या साधू से या किसी भी सेवक से

106

00:10:06,244 - 00:10:15,232

तो जैसे कि हमने बताया आपको 108 पंडित महाराजों को भोजन करवाया जाता है, दक्षिणा दी जाती है

107

00:10:17,762 - 00:10:26,881

उसके बाद मुंडन होता है, मतलब मुंडन करवाया जाता है और संकल्प लिया जाता है गंगा के किनारे पर बैठ कर

108

00:10:27,354 - 00:10:32,797

जो हमारे गुरूजी हैं वो संकल्प करवाते हैं और हवन-पूजा, पाठ पूजा सब कार्य होता है

109

00:10:33,198 - 00:10:36,524

उसके बाद हमें चोला पहनाया जाता है

110

00:10:37,289 - 00:10:40,869

और चोला पहनाने के बाद गुरु घंटी दी जाती है

111

00:10:41,782 - 00:10:49,802

जो कि हमें हमेशा याद दिलाती है, हम साधू हैं, हमारा कर्म धर्म अलग है

112

00:10:51,599 - 00:10:54,699

तो ऐसे ही साधू का जीवन चलता है

113

00:10:55,462 - 00:10:57,236

और साधू अपने जीवन में

114

00:10:57,916 - 00:11:09,489

किसी भी समय कोई दुःख है, कोई समस्या है, तो साधू उन चीज़ों को मन्त्र द्वारा भगवान् को याद करके झेल लेता है

115

00:11:12,959 - 00:11:19,419

और साधू का कर्म एक ही है, भलाई करना न कि बुरा करना

116

00:11:19,693 - 00:11:24,619

जैसे कि आज कल लगा लीजिये ये पाखंडी जो है ये साधू बने हुए हैं

117

00:11:26,067 - 00:11:31,834

उन्हें ये तक नहीं पता होता कि गुरु जो मन्त्र देते हैं, वो गुरु मन्त्र क्या होता है

118

00:11:32,660 - 00:11:36,347

जिस चीज़ की भी वो साधना कर रहे हैं

119

00:11:36,967 - 00:11:42,587

हमारे शिव शंकर हैं, हमारी काली माता है, हमारे बालाजी महाराज हमारे बजरंगबली जी हैं

120

00:11:43,557 - 00:11:46,350

तो देखिए हर गुरु का कोई न कोई मन्त्र होता है

121

00:11:47,624 - 00:11:58,244

चाहे वो साधना का है, या वो ध्यान का है, या वो संकट का है,या वो कोई ओपरी-पराई हवा का कोई प्रकोप का है

122

00:11:59,287 - 00:12:02,414

तो साधू के पास हर समस्या का समाधान होता है

123

00:12:04,068 - 00:12:10,081

तो जैसे कि उसका पूरा ही जीवन

124

00:12:10,878 - 00:12:19,151

अपने भजन, ध्यान, अपने भ्रमण पर जिसपर वो कार्य कर रहे हैं, उसमें ही जीवन उसका समाप्त हो जाता है

125

00:12:19,209 - 00:12:23,515

interview: inaudible due to background noise

126

00:12:23,602 - 00:12:33,556

interview: अच्छा ये सबछोडिए और त्याग के बारे में बताइए, त्याग करना कितना मुश्किल रहा आपके लिए, मोह-माया से दूर जाना कितना मुश्किल रहा ?

127

00:12:33,581 - 00:12:40,742

baba: जी, ऐसा नहीं है , मोह-माया कोई ज्यादा बड़ी पावरफुल चीज़ नहीं है

128

00:12:41,270 - 00:12:46,057

जैसे कि मनुष्य सोचता है कि हम इसके बिना नहीं रह पाएंगे, ऐसा कुछ भी नहीं है

129

00:12:46,402 - 00:12:54,468

मनुष्य को अच्छाई रूप से क्या चाहिए सुबह - भोजन, चाय, पानी

130

00:12:55,645 - 00:13:01,318

जो की शरीर को चाहिए, वो ही साधू को चाहिए, वही इंसान को चाहिए

131

00:13:01,825 - 00:13:09,179

अगर इंसान भोजन से संतुष्ट नहीं है

132

00:13:10,449 - 00:13:14,315

तो वो पता नहीं कितने तरह-तरह के रास्ते पकड़ लेता है

133

00:13:18,442 - 00:13:19,109

baba clearing his throat

134

00:13:19,929 - 00:13:24,256

मेरे हिसाब से तो, मतलब ये मैंने देखा है

135

00:13:27,129 - 00:13:34,883

पैसा हमने बहुत खर्च भी किया है माता-पिता का, और पैसा हमने कमाया भी है बहुत

136

00:13:37,073 - 00:13:42,153

मतलब फिर भी हम मोह-माया से दूर ही रहे

137

00:13:42,407 - 00:13:49,801

मतलब जिंदगी में मान लो जैसे हमने किसी के 500 रूपए ले लिए, उसे बोल दिया की कल दे देंगे

138

00:13:50,894 - 00:13:55,901

वो एक मोह है, उसे कहते हैं मोह

139

00:13:56,002 - 00:14:03,008

जो इंसान को मोह की तरफ ले जाता है, और फिर वो इस तरफ आ नहीं पाता

140

00:14:03,593 - 00:14:12,767

हमारा कार्य ऐसा नहीं है, हम किसी से अगर पैसे ले रहे हैं तो उसका समय पर ही भुगतान कर देते हैं

141

00:14:13,790 - 00:14:16,603

तो हमारा उस चीज़ से कोई मोह नहीं है

142

00:14:19,353 - 00:14:30,260

और देखिए ऐसा भी कुछ नहीं है, पापा जी की भी शॉप है, हमारा खुद का प्लाट है, अच्छा घर भी बना रखा है

143

00:14:31,603 - 00:14:34,736

सब चीज़ों से हम अपने जीवन में संतुष्ट थे

144

00:14:36,717 - 00:14:43,830

लेकिन एक रात ऐसा समय आया, हम अपनी नींद में थे और बहुत गहरी नींद में थे

145

00:14:46,384 - 00:14:56,124

तो हम जैसे ही उठे, हमारे माथे पर पसीना आया, और पूरे हाथ पैर, पूरे शरीर में कपकपाहट छूट गई

146

00:14:56,605 - 00:15:00,458

उस समय तकरीबन दो या सवा दो का टाइम था

147

00:15:00,974 - 00:15:03,974

हम घबरा गए, हम अपने कमरे में अकेले थे

148

00:15:05,084 - 00:15:12,811

तो मैंने शिव शंकर भगवान् का जाप किया, ॐ नाम का जाप किया हमने

149

00:15:14,028 - 00:15:25,248

और जैसे ही हम जाप करते गए, हमारी मुश्किलें आसान होती गई, जैसे हमारा शरीर कुछ प्रॉब्लम में था, कुछ कष्ट में था, हमें नहीं पता हमारे ऊपर क्या हावी हुआ क्या क्या नहीं हुआ

150

00:15:25,513 - 00:15:33,445

हमने शिव शंकर भगवान् का ॐ नाम का जाप किया, तो हमारा धीरे धीरे शरीर भी ठीक हुआ

151

00:15:33,532 - 00:15:41,811

हमारा मन भी साफ़ हुआ, हमारा ध्यान भी अच्छा हुआ, और हमारा गुणगान भी अच्छा हुआ

152

00:15:42,622 - 00:15:50,948

तो हम जब भी अकेले बैठे होते हैं, तो भगवान् का भजन ही करते हैं, उनका गुणगान करते रहते हैं

153

00:15:51,173 - 00:15:55,280

ॐ नाम का जाप करते रहते हैं, यही साधू का कर्म और धर्म है

154

00:15:57,793 - 00:16:03,720

nterviewer:और अगर हम साधू के कर्म के बारे में जानें, तो एक असली साधू है क्या?

155

00:16:05,894 - 00:16:14,274

baba: असली साधू वो है, जो अपने कर्म और अपने धर्म से पीछे न हटे

156

00:16:15,077 - 00:16:22,597

साधू वो जो ज्ञान दे

157

00:16:23,573 - 00:16:26,200

जो ज्ञान न दे उसे हम साधू नहीं मानते

158

00:16:26,253 - 00:16:27,866

nterviewer: कैसे ज्ञान की प्राप्ति कैसे होती है साधू को ?

159

00:16:27,913 - 00:16:36,270

baba: ज्ञान की प्राप्ति देखिए जैसे कि..., हमारी भी साधना ऐसी ही है कि जैसे बच्चा जब स्कूल जाता है

160

00:16:38,330 - 00:16:45,677

वो वहां सीखता है, सबसे पहले उसे वहां सिखाते हैं discipline, जैसे कि उठाना बैठना, yes no

161

00:16:46,384 - 00:16:49,391

तो ऐसा ही हमारा एक रूल है, हमारी परंपरा है

162

00:16:50,377 - 00:16:57,464

जैसे कि हमारे जो मन्त्र होते हैं, वो संस्कृत में भी होते हैं और हिंदी में भी होते हैं

163

00:16:59,397 - 00:17:00,131

तो

164

00:17:02,331 - 00:17:07,498

साधू उन मन्त्रों को अपने साथ हमेशा के लिए रखता है

165

00:17:08,059 - 00:17:12,386

तो जब भी कोई बुरा वक्त आता है

166

00:17:13,172 - 00:17:15,279

साधू के पास कोई संकट में आता है

167

00:17:16,442 - 00:17:19,856

तो असली साधू उसे अच्छा ही मार्ग दिखाएगा, न कि गलत

168

00:17:22,042 - 00:17:26,909

न साधू को पैसे से मोह होता है, न ही उसे किसी वस्तु से मोह होता है

169

00:17:27,341 - 00:17:34,774

साधू सिर्फ अपना कर्म करता है और वो उस व्यक्ति को भलाई का ही रास्ता दिखाएगा न कि बुराई का

170

00:17:35,979 - 00:17:44,348

तो मनुष्य जैसे उसे बताता है कि बाबा जी मेरे अन्दर भूत, पिशाच वास करते हैं

171

00:17:44,670 - 00:17:49,223

मुझे रात को बुरे सपने आते हैं

172

00:17:50,461 - 00:17:54,854

तो देखिए वो सिर्फ एक बहम है

173

00:17:57,437 - 00:18:03,683

जिसकी न तो आज तक कोई दवाई मिली है, और न ही मिल पाएगी कभी मेरे हिसाब से

174

00:18:04,433 - 00:18:07,727

वो सब मनुष्य का confusion है

175

00:18:10,176 - 00:18:18,049

मनुष्य सोचता है कि अभी मेरे साथ ये हो जाएगा, अभी मेरे साथ वो हो जाएगा, लेकिन हकीकत में होता कुछ नहीं है

176

00:18:18,954 - 00:18:26,408

वो सिर्फ इंसान की एक सोच है, negative thought हैं, मतलब negative feeling हैं उसकी

177

00:18:26,531 - 00:18:34,051

रियल लाइफ में ऐसा कुछ होता नहीं है, लेकिन फिर भी हम उसको मन्त्र दे देते हैं

178

00:18:34,681 - 00:18:42,114

संकट मन्त्र देते हैं कि आप इस मन्त्र का जाप कीजिए, इससे आपके ऊपर कोई दुविधा हावी नहीं होगी

179

00:18:43,489 - 00:18:45,102

वही असली साधू है

180

00:18:45,529 - 00:18:56,578

साधू वो नहीं है जो उसको बोल देगा कि आप बाज़ार से नारियल ले आइए, आप ये मिठाई ले आइए, आप इस कंपनी का घी का डब्बा ले आइए

181

00:18:57,023 - 00:19:04,787

आप इस कंपनी की कुछ भी सामग्री है वो ले आइए, वो साधू नहीं है,

182

00:19:04,881 - 00:19:09,507

वो सिर्फ अपना पेट भरने के लिए कार्य करते हैं

183

00:19:09,720 - 00:19:15,820

असली साधू होगा तो आपसे धन की तो बात ही नहीं करेगा

184

00:19:18,163 - 00:19:22,603

न किसी चीज़ को आपको लाने के लिए बोलेगा

185

00:19:23,818 - 00:19:29,331

सिर्फ और सिर्फ भगवान् को याद करके, भगवान् का गुणगान करके - हे परम पिता परमात्मा

186

00:19:30,261 - 00:19:38,101

जो भी इस बच्चे से जाने अनजाने में भूल हुई है, उसके लिए इसे क्षमा कीजिए और इसको जाने दीजिये

187

00:19:38,468 - 00:19:41,661

उसको मन्त्र द्वारा ठीक कर देते हैं

188

00:19:41,686 - 00:19:44,178

interviewer:साधू का हिन्दू धर्म में क्या स्थान है ?

189

00:19:45,432 - 00:19:53,999

baba: देखिए साधू का जो है बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है हिन्दू में

190

00:19:55,826 - 00:20:05,953

जो की आजकल के जो हमारे हिन्दू हैं, भाई हैं, माता है, बहने हैं, हमारे छोटे-छोटे बच्चे हैं

191

00:20:07,566 - 00:20:15,419

वो अपने हिन्दू धर्म को अपनाने में शर्मा रहे हैं मतलब हिचकिचा रहे हैं

192

00:20:15,649 - 00:20:18,516

अच्छे से खुल के नहीं आ रहे हैं आगे

193

00:20:18,842 - 00:20:20,702

वो क्यों नहीं आ रहे हैं

194

00:20:22,779 - 00:20:33,522

आजकल की जनरेशन क्या है कि दुनिया को सिर्फ अपने मतलब से ही मतलब है, न कि किसी और के मतलब से मतलब है

195

00:20:34,894 - 00:20:44,208

वो कहते हैं न कि अपना काम बनता तो भाद में जाए जनता, तो आज का इंसान इसीलिए इतना पीछे और इतना बिजी है

196

00:20:46,331 - 00:20:46,891

आप मानते हैं

197

00:20:49,224 - 00:20:55,044

जो इंसान समय की इज्ज़त करेगा तो समय उसकी इज्ज़त करेगा, आज नहीं करेगा तो कल करेगा

198

00:20:55,911 - 00:21:03,358

देखिए एक समय ही है हमारे पास, अगर हम समय की रेस्पेक्ट कर रहे हैं तो समय हमारी रेस्पेक्ट करेगा

199

00:21:04,441 - 00:21:06,635

आपने कभी सुना है कि एक हाथ से ताली बजती है ?

200

00:21:07,276 - 00:21:17,166

तो जब तक देखिये ये हमारे दोनों हाथ और उन्लियाँ टच नहीं होंगे, तो ताली कहाँ से बजेगी, शोर कहाँ से होगा

201

00:21:18,668 - 00:21:25,394

तो ऐसे ही इंसान है हाथों की लकीरों की तरह, आदमी से आदमी दूर हो रहा है

202

00:21:26,198 - 00:21:31,138

तो इसीलिए हिन्दू का स्थान पीछे और पीछे जा रहा है

203

00:21:31,163 - 00:21:34,481

interviewer: नहीं नहीं, साधू का क्या महत्व है हिन्दू धर्म में?

204

00:21:34,506 - 00:21:36,617

baba: साधू का क्या धर्म है?

205

00:21:37,795 - 00:21:44,169

interviewer: हिन्दू धर्म में एक साधू के लिए क्या मान्यता है ? एक साधू का क्या स्थान है हिन्दू धर्म में ?

206

00:21:44,869 - 00:21:48,709

देखिए जहाँ तक हमारे गुरूजी ने हमें बताया है

207

00:21:48,881 - 00:21:59,641

साधू का स्थान तो देखिए हमारे जो पुराने बड़े-बड़े संत-साधुओं के टाइम से ही चलता आ रहा है, ये जो सारी परंपरा है

208

00:22:01,697 - 00:22:12,486

स्थान देखिए साधू को, कोई स्थान, कोई जगह, कोई प्रॉपर्टी की जरूरत नहीं है, उसे सिर्फ एक शांत वातावरण, एक छोटा सा स्पेस चाहिए होता है

209

00:22:12,840 - 00:22:22,850

ये आप किसी भी रूप से लगा लीजिए, गंगा माँ के किनारे लगा लीजिये या कहीं पहाड़ों के बीच में लगा लीजिए, या कोई साफ़ सुथरा साइड में कोई जगह हो, वो स्थान मान लीजिए

210

00:22:23,352 - 00:22:34,465

उसे उस चीज़ से कोई मोह नहीं है, कोई लोभ नहीं है, मतलब की जैसे मैं इस जगह तप कर रहा हूँ तो हम ये जगह कब्ज़ा कर लें, या मन्त्र बोलकर पब्लिक से हड़प लेंगे, ऐसा कुछ नहीं है

211

00:22:35,444 - 00:22:41,390

साधू सिर्फ अपनी साधना में लीं रहना चाहता है और साधू का वही धर्म है वही उसका कर्म है

212

00:22:42,260 - 00:22:44,760

और मानने को तो जो साधू का स्थान है

213

00:22:45,727 - 00:22:46,767

वो एक

214

00:22:48,912 - 00:23:00,895

जैसे की हमारे मंदिर हैं, हमारे शंकर भगवान् के स्थान हैं, पार्वती माता हैं, जो भी हमारे देवी-देवता हैं, हमारे पितृ हैं, उनके स्थान हैं, वो वही पर ही रहना पसंद करता है

215

00:23:02,388 - 00:23:10,888

तो इसलिए भी जो आजकल का मनुष्य है वो भी साधुओं से थोडा सा दूर हटके ही है

216

00:23:11,334 - 00:23:18,821

interviewer: क्या नार्मल इंसान त्याग कर सकता है उन चीज़ों का जो उसे नहीं चाहिए ?

217

00:23:19,488 - 00:23:28,628

जो मोह माया है उससे कैसे बचा जाए ? एक सच्ची राह पर कैसे निकल सकता है कोई ?

218

00:23:28,736 - 00:23:37,582

baba: देखिए सच्ची राह पर चलना ऐसा कोई कठिन कार्य नहीं है

219

00:23:39,592 - 00:23:43,426

अब जैसे कि आप अपने घर से ही लगा कर चल पड़िए

220

00:23:45,161 - 00:23:54,061

अगर हम किसी भी चीज़ से निडर हैं, तो हम कोई भी काम कर सकते हैं, उसपर विजय पा सकते हैं

221

00:23:57,312 - 00:23:58,072

तो

222

00:24:00,488 - 00:24:01,475

जैसे क्या है

223

00:24:03,021 - 00:24:13,135

इंसान अपनी भावनाओं से, अपने कर्म से, अपने धर्म से, उस कार्य को पूरा नहीं कर पाता है

224

00:24:16,227 - 00:24:35,580

interviewer: जैसे बाबा हमने देखा कि यहाँ बनारस में जिंदगी मौत का कोई concept नहीं है यहाँ मौत भी बहुत जश्न से मनाई जाती है, जिंदगी तो लोग जी ही रहे हैं तो क्या हमें मौत का डर होना चाहिए या हमें जिंदगी जीनी चाहिए पूरे मज़े से और क्योंकि मौत भी भगवान् का ही एक फैसला है

225

00:24:36,072 - 00:24:43,325

baba: देखिए जिंदगी मानने को तो बहुत लम्बी है, बहुत बड़ी है

226

00:24:46,249 - 00:24:47,229

लेकिन

227

00:24:49,076 - 00:24:53,282

सोए हुए इंसान को हम तो मानते हैं कि वो मरा ही हुआ है

228

00:24:55,114 - 00:24:58,967

सोया हुआ इंसान हम तो मानते हैं कि वो मरा ही हुआ है

229

00:24:59,584 - 00:25:01,051

ऐसा क्यों वो हम आपको बताते हैं

230

00:25:01,886 - 00:25:12,519

देखिए जब तक इंसान दिन में उठता है, बैठता है, भोजन करता है, अपना कार्य करता है, तो उसकी ज़िन्दगी चल रही है

231

00:25:13,560 - 00:25:14,660

वो सफल है

232

00:25:15,285 - 00:25:27,268

और रात को जैसे आदमी खा-पी कर, अपने कार्य करके सोता है, वो मरा हुआ इसलिए है क्योंकि उसका एक सेकंड का भरोसा नहीं है, एक पल का भी भरोसा नहीं है

233

00:25:28,123 - 00:25:29,850

किस टाइम हार्ट फ़ैल हो जाए

234

00:25:30,277 - 00:25:31,010

मानते हैं

235

00:25:31,903 - 00:25:35,417

वो है एक सुख की मौत

236

00:25:36,070 - 00:25:48,039

जो आदमी किसी का खर्चा, या जो मेडिकल प्रॉब्लम हैं उनको साइड में हो जाती हैं

237

00:25:49,533 - 00:25:51,706

एक जैसे कि अकाल मृत्यु

238

00:25:52,599 - 00:26:01,037

जैसे बीमार होकर मरना, एक्सीडेंट होकर मरना, ट्रेन के नीचे आकर- कटकर मरना, वो एक अकाल मृत्यु है

239

00:26:01,938 - 00:26:06,498

हमारे जीवन में अगर हम अच्छा कर्म करेंगे, भगवान् का धर्म कर्म करेंगे

240

00:26:07,283 - 00:26:16,855

तो ये जो जीवन है बहुत ही सुन्दर है और ये बहुत ही लंबा मार्ग है भगवान् का, जो कि मनुष्य प्राप्त नहीं कर पाता

241

00:26:20,610 - 00:26:26,617

interviewer: कभी वापस पुरानी चीज़ें याद आ जाती है, तो वापस जाने का मन करता है?

242

00:26:26,917 - 00:26:36,179

baba: नहीं, कभी तनहा बैठते हैं हम, तो एक ध्यान...

243

00:26:36,729 - 00:26:42,822

someone came in background so interviewer asked him to move out of the frame and asked baba to start again

244

00:26:43,312 - 00:26:46,112

interviewer: कभी मन करता है वापस अपनी ज़िन्दगी में लौट जाए, मतलब ऐसा सब

245

00:26:46,172 - 00:26:56,212

baba: देखिए जब हम तनहा होते हैं तो कुछ समय के लिए हम सोचते हैं, हम क्या थे और हमने क्या किया

246

00:26:56,361 - 00:26:58,974

और अब हम क्या कर रहे हैं और क्या हो गए हैं

247

00:26:59,965 - 00:27:10,692

कुछ समय के लिए देखिए साधू भी फील करता है और बस वो फील ही करता है लेकिन वहां तक पहुँच नहीं पाता है

248

00:27:11,303 - 00:27:16,482

वो वापस अपने इसी मार्ग पर आ जाता है, अपने कर्म और धर्म पर आ जाता है, अपने स्थान पर आ जाता है

249

00:27:19,613 - 00:27:26,165

बस इतना ही थोडा बहुत महसूस कर पाते हैं उनको, बस इससे ज्यादा कुछ नहीं हो पाता है

250

00:27:26,705 - 00:27:27,885

interviewer: कुछ पाना चाहते हैं आप ?

251

00:27:28,752 - 00:27:38,678

baba: देखिए, पाने को तो बहुत कुछ पाना है और खो तो बहुत कुछ चुके हैं हम अपना

252

00:27:40,190 - 00:27:43,090

तो ये सारा जीवन जो है भगवान् के नाम ही कर रखा है हमने

253

00:27:44,867 - 00:27:53,107

तो हम क्या पा रहे हैं? सिर्फ भगवान् का गुणगान ही पा रहे है, उनका भजन कीर्तन ही पा रहे हैं

254

00:27:54,024 - 00:28:02,102

और हम तो भगवान् से प्रार्थना करते हैं कि हे भगवान् हमारे हिन्दू धर्म में सबको अच्छा ही रखिए

255

00:28:02,127 - 00:28:11,173

हमारे हिन्दू धर्म में किसी भी तरह का विघ्न न हो

256

00:28:11,866 - 00:28:15,399

और हमारा हिन्दू धर्म ऐसे ही आगे तरक्की करता रहे

257

00:28:15,645 - 00:28:19,705

interviewer: एक आखिरी सवाल करेंगे आपसे

258

00:28:19,845 - 00:28:20,372

baba: जी

259

00:28:20,665 - 00:28:38,921

interviewer: एक आखिरी सवाल करेंगे कि आज जो युवा है देश का जिसे आपको कोई सन्देश पहुंचाना हो या बताना हो कि सच्ची राह पर कैसे चला जाए, या धर्म के बारे में कुछ एडवाइस देना चाहते हैं ?

260

00:28:39,458 - 00:28:47,193

baba: देखिए, कर्म तो इंसान का, हमारे हिसाब से सबसे पहले कर्म ही है

261

00:28:48,301 - 00:28:54,010

अगर इंसान कर्म नहीं करेगा तो फिर वो आगे कैसे बढेगा

262

00:28:54,684 - 00:28:57,337

हम नहीं मानते कि जीवन ऐसे चलता है

263

00:28:57,740 - 00:29:00,340

बिना कर्म कोई जीवन नहीं है

264

00:29:01,194 - 00:29:05,996

अगर हम कर्म करेंगे तो भगवान् हमें साक्षात् फल देते हैं

265

00:29:06,930 - 00:29:07,810

मानते हैं आप

266

00:29:10,087 - 00:29:19,439

तो हम तो देखिए हमारे पास तो कोई आता है चाहे वह कोई छोटा है, कोई बड़ा है, कोई बहन है, कोई माता है, कोई पिता है, तो हम तो उनको यही कहते हैं कि देखिए

267

00:29:21,173 - 00:29:29,172

घर पर रहिए, स्वस्थ रहिए, अपने माता-पिता का ध्यान रखिए और अपने जीवन में आगे बढिए

268

00:29:30,079 - 00:29:38,727

जो आप अपने जीवन में प्राप्त करना चाहते हैं वो आप प्राप्त करेंगे और आपका जीवन सदा ही अच्छा ही रहेगा

269

00:29:39,318 - 00:29:47,889

तो हम तो सबको यही कहते हैं कि भगवान् का गुणगान करिए, नियम कर्म से अपना काम करिए और सदा जिंदगी में खुश रहिए

270

00:29:50,433 - 00:29:59,660

interviewer: कोई ऐसी चीज़ है आपके अन्दर जिसका आपको रिग्रेट हो? मतलब कोई गलत काम आपसे हो गया हो और ऐसी भावना आपके अन्दर आ रही हो जो आपको परेशान करती हो ?

271

00:30:00,659 - 00:30:08,162

baba: नहीं देखिए आज तक तो हमारे अन्दर या मन के अन्दर, शरीर के अंदर ऐसा कुछ आभास नहीं हुआ है

272

00:30:08,648 - 00:30:12,561

अगर वास हुआ है तो सिर्फ भगवान् का नाम हुआ है

273

00:30:12,628 - 00:30:14,154

interviewer: शादी करने का कभी मन नहीं करता ?

274

00:30:14,878 - 00:30:23,178

baba: देखिए, शादी करने का समय था हमारा, लेकिन हमने कभी शादी के लिए सोचा नहीं

275

00:30:23,985 - 00:30:31,968

वो ख्याल पता नहीं बचपन से ही हमारे मन में क्यूँ नहीं आए कि ये दुनिया से थोड़े से हटके क्यूँ हैं हम, हमारे विचार क्यूँ हैं अलग

276

00:30:32,488 - 00:30:33,335

थोडा सा

277

00:30:35,550 - 00:30:45,800

लोगों ने थोड़ी, हमारे साथ प्रॉब्लम क्रिएट की थी कि इसी बात को लेकर आप साधू बन गए हैं, आपके फ्रेंड आपसे बिछड़ गए हैं

278

00:30:46,540 - 00:30:54,519

देखिए कोई किसी के साथ नहीं चलता, एक समय ऐसा आता है कि आपकी खुद की परछाई भी आपका साथ छोड़ देती है

279

00:30:55,052 - 00:30:55,892

आप मानते हैं

280

00:30:56,519 - 00:31:01,586

तो माता-पिता, भाई-बहन तो आपको पता ही है कि सब मोह माया है

281

00:31:02,426 - 00:31:03,053

आप मानते हैं

282

00:31:04,316 - 00:31:04,736

so

283

00:31:07,036 - 00:31:14,603

आजतक ऐसा कुछ महसूस हुआ है तो सिर्फ भगवान् का नाम ध्यान ही महसूस हुआ है और उनका ही गुणगान हम करते हैं

284

00:31:15,306 - 00:31:16,753

और उनका ही ध्यान करते हैं